भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर-452001

फ़ाइल् क्रमांक. प्रेस नोट/प्रेस व पब्लिसिटी/2022/49

भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा विकसित किस्में एन.आर.सी. 157, 131 एवं 136 को मिली राज्य सरकार की अनुशंसा

सोयाबीन पर अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के लिए लोकप्रीय इंदौर स्थित देश के शीर्षस्थ भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान द्वारा विगत कुछ वर्षों से लगातार नई-नई किस्मों का विकास किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में संस्थान द्वारा विकसित तीन किस्में एन.आर.सी. 157, एन.आर.सी. 131 एवं एन.आर.सी. 136 को राज्य स्तरीय उच्च समिति द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के लिए अनुमोदित किया गया है। इन किस्मों के बारे में चर्चा करते हुई संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रजनक डॉ संजय गुप्ता ने बताया की एन.आर.सी 157 (आई.एस. 157) एक मध्यम अवधि में पकने वाली किस्म है जो मात्र 94 दिनों में पक जाती है, जिसकी औसत उपज 16.5 क्विंटल प्रति हेक्टयेर है तथा यह अल्टर्नेरिया लीफ स्पॉट, बेक्टेरियल पस्तुल्स एवं टार्गेट लीफ स्पॉट जैसी बीमारियों से मध्यम प्रतिरोधी भी है। संस्थान के परीक्षणों में पाया गया है की NRC 157 की देर से बुआई (20 जुलाई तक) करने से भी न्यूनतम उपज का नुक्सान होता है। उनके द्वारा विकसित एक अन्य किस्म एन.आर.सी 131 (आई.एस.131) के बारे में डॉ गुप्ता ने बताया की यह 93 दिनों की मध्यम अवधि में पकने वाली किस्म है जिसकी औसत उपज 15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है तथा चारकोल रोट एवं टारगेट लीफ स्पॉट जैसे रोगों से मध्यम प्रतिरोधक है। संस्थान द्वारा देश के पूर्वी क्षेत्र के लिए पहले से ही विकसित एवं अनुशंसित किस्म एन.आर.सी. 136 (आई.एस. 136) को भी इस वर्ष मध्य प्रदेश में खेती के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया है। इस किस्म के प्रजनक तथा संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ ज्ञानेश कुमार सातपुते ने बताया की एन.आर.सी. 136 किस्म 105 दिनों में पकती है तथा इसकी औसत उपज 17 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म पीला मोज़ेक वायरस से मध्यम प्रतिरोधक क्षमता रखती है एवं भारत की पहली सुखा सहिष्णु किस्म है।

....

N.R.C
157

N.R.C
131

NRC 136

NRC-131
NRC-157